कक्षा नवम

पाठ योजना - 2025-26

अप्रैल

पाठ्यपुस्तक स्पर्श

1 पाठ -दुख का अधिकार

2 महीने में शिक्षण दिनों की संख्या -

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की आवश्यकता - **5**

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -पाठ शुरू करने से पहले छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे ताकि वह इस पाठ के साथ अपना संबंध बना सकें

1बच्चों क्या आपको कभी चोट लगी है **?**

2क्या चोट लगने से आपको दुख होता है **?**

3जब आप दुखी होते हो तब क्या करते हो **?**

4 बच्चों आज हम दुख के बारे में एक कहानी पड़ेंगे जिसका नाम है दुख का अधिकार ।

5 सीखने का प्रतिफल -विद्यार्थी शहरी और ग्रामीण जीवन में समन्वय स्थापित करने में समर्थ होंगे ।

शुद्ध उच्चारण के साथ उनमें पठन का विकास भी होगा।

तर्कपूर्ण विचारधारा के साथ उनमें भाव जागेंगे।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -

छात्रों को इस कहानी का मूल भाव लिखने को कहा जाएगा जिससे उनके अंदर लेखन कला का विकास होगा। छात्र अलग-अलग राज्यों की पोशाकों के चित्र एकत्रित करके उन्हें उत्तर पुस्तिका पर लगाएंगे । जिससे उनके अंदर चित्रकला का विकास होगा ।

इस पाठ के आधार पर कक्षा में एक परिचर्चा करवाई जाएगी ।ऐसा करने से विद्यार्थीसामाजिक स्थलों पर अपनी बात तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख पाएंगे ।ऐसा करने से उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा ।

7 अतः विषय और जीवन कौशल का संचार -

इस पाठ के माध्यम से बच्चों को पता चलेगा कि एक आर्थिक तंगी में आया हुए व्यक्ति को दुख मनाने का भी अधिकार नहीं हैदूसरी तरफ एक अमीर घर की महिला दुख समान होने के कारण उस दुख को मना रही है ऐसा समझने के बाद छात्र अर्थशास्त्र के साथ जुड़ेंगे ।

8 सूचना और संचार तकनीकी साधन-

इस पाठ को समझाने के लिए अध्यापिका की तरफ से कुछ साधनों का प्रयोग किया जाएगा जैसे पाठ्यपुस्तक स्मार्ट बोर्ड श्यामपट्ट पीपीटी यूट्यूब लिंक आदि

9 मूल्यांकन -मूल्यांकन के लिए अध्यापक द्वारा कक्षा में छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे ।

- क्या पोशाक हमें श्रेणियों में बांट देती है ।
- सूतक किसे कहते हैं ?
- कार्य पत्रिका के द्वारा भी मूल्यांकन किया जाएगा ।
- लिखित परीक्षा सामूहिक चर्चा गृह कार्य

10 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -

इस पाठ में प्रतिक्रिया के लिए बच्चों से प्रश्न किए जाएंगे जैसे पोशाकों के महत्व पर चर्चा की जाएगी । स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगता था ?सूतक क्या होता है ? उसका दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ता है ।

11 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी

पाठ को पढ़ाते समय अध्यापिका सब बच्चों की बौद्धिक क्षमता के अनुसार अलग-अलग समूह के छात्रों से काम करवाएगी ।

कमजोर विद्यार्थी सहपाठियों की देखरेख में काम करेंगे ।

अपनी अशुद्धियों का शोधन करेंगेपाठ्य पुस्तिका स्पर्श के प्रशन करेंगे ।

पाठ 2 -

1 रैदास के पद

2 अप्रैल महीने में शिक्षण दिनों की संख्या

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की जरूरत - 5

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -इस कविता को पढ़ाने से पहले बच्चों से कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे ।

कविता रचना के बारे में जानते हैं ?

ईश्वर के प्रति भक्ति की भावना का क्या अर्थ है ?

क्या आपको मानवीय स्वभाव की जानकारी है ?क्या आप बच्चे सामाजिक व्यवहार से वाकिफ हैं ?

5 सीखने का प्रतिफल -छात्र इस कविता को ध्यान पूर्वक पढ़ेंगे सुनेंगे तथा समझने का प्रयत्न करेंगे साथ ही अपने शंकाओं तथा जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे ।छात्र कवि के बारे में आवश्यक जानकारियां अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -

छात्र इस कविता का रसास्वादन करेंगे ।स्वयं कविता लिखने की योग्यता का उनके अंदर विकास होगा ।ईश्वर के प्रति आस्था में भक्ति की भावना जागृत होगी ।पद को पढ़कर समझ कर स्वयं पद लिखने का प्रयास करेंगे ।कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखकर उनके अंदर लेखन कला का विकास होगा ।

7 अंतः विषय और जीवन कौशल का संचार -इस कविता को पढ़ते-पढ़ते छात्र कई दूसरे विषयों के साथ ही जुड़ेंगे ।इस कविता के अर्थ समझकर और उनके पदों की व्याख्या करते करते हो धर्म के साथ अपने आप को जोड़ने की कोशिश करेंगे

8 सूचना तथा संचार तकनीकी साधन -इस पाठ को पढ़ाने के लिए अध्यापिकास्पर्श बुक की सहायता लेगी ।अध्यापिका द्वारा स्मार्ट बोर्ड श्यामपट्ट जाडन तथा यूट्यूब लिंग की सहायता से भी इस पाठ को समझाया जाएगा ।

9 मूल्यांकन -

कविता समझाने के बाद छात्रों का मूल्यांकन निम्नलिखित विधियों से किया जाएगा ।छात्रों से पाठ्यपुस्तक के बोधात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे ।

पहले पद में भगवान और भक्त की तुलना किन किन चीजों से की गई है ?

दूसरे पद में कवि ने गरीब निवाजु किसे कहा है ?

रैदास ने अपने स्वामी को किन किन नामों से पुकारा है ?

इकाई परीक्षाएं गृह कार्य तथा परियोजना कार्य से भी छात्रों का मूल्यांकन होगा ।

10 प्रतिक्रिया देना उपचारात्मकशिक्षण -

कविता की व्याख्या करते करते अगर छात्रों को कोई मुश्किल आती है तो अध्यापिका द्वारा उसको हल किया जाएगा ।कठिन शब्दों के अर्थ बताकर इस कविता को बड़े ही सरल तरीके से छात्रों को समझाया जाएगा ।कुछ मेधावी छात्रों की सहायता से कक्षा में इस पाठ की व्याख्या करके बाकी छात्रों को समझाया जाएगा ।

11 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -

अध्यापिका द्वारा इस पाठ की व्याख्या करते-करते बीच-बीच में से छात्रों को उठाकर कविता समझाने के लिए कहा जाएगा ताकि यह पता चल सके कि सारे विद्यार्थी इस कविता को समझने के भागीदार हैं या नहीं ।अगर कुछ विद्यार्थी इसको समझने में असमर्थ होंगे तो मेधावी छात्रों की मदद से उनकी इस मुश्किल को हल किया जाएगा ।

व्याकरण

1 उप विषय -अनुस्वार अनुनासिक

2 महीने में शिक्षण दिनों की संख्या -

3 विषय को पूरा कराने के लिए दिनों की आवश्यकता - 3

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

क्या आप कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कर सकते हैं जिनको बोलते समय आवाज नाक और मुख दोनों से निकलती हो ?

कुछ ऐसे शब्द बताइए जिनके उच्चारण समय आवाज़ केवल नाक से निकलती हो ?

क्या आप जानते हैं कि इनको लिखते समय किन किन चिन्हों का प्रयोग किया जाता है और उन्हें क्या कहते हैं ?

5 सीखने का प्रतिफल

छात्र इन शब्दों के उच्चारण के समय अनुसार तथा अनुनासिक और लगाना सीखेंगे।शब्दों को बोलकर उच्चारण करते समय उन्हें यह बात स्पष्ट हो जाएगी कहां पर अनुस्वार तथा कहां पर अनुनासिक का चिन्ह लगेगा।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -

छात्रों को अनुस्वार और अनुनासिक समझाते समय वातावरण के आसपास कुछ ऐसे चित्रों को एकत्रित करके उनके नाम लिखने को कहा जाएगा जहां पर अनुस्वार और अनुनासिक का चिन्ह प्रयोग होता है।ऐसा करने से उनको वातावरण तथा चित्रकला के साथ जोड़ा जाएगा

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन

अनुस्वार अनुनासिक को समझाते समय कुछ फ्लैश कार्ड का प्रयोग किया जाएगा कुछ चित्रों की मदद से वहां पर अनुस्वार अनुनासिक लगाने को कहा जाएगा और साथ ही में कुछ शब्द देकर छात्रों को उच्चारण के साथ सचिवों का प्रयोग करना सिखाया जाएगा।

8 मूल्यांकन छात्रों का कई विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

इकाई परीक्षा,अभ्यास पत्रिका,पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास की परीक्षा।

9 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -इस विषय को समझाने के बाद छात्रों से कुछ प्रश्न पूछ कर उनके मुश्किलों को हल किया जाएगा।यह विषय समझ नहीं आया होगा उन्हें कक्षा में दोबारा नए तरीके से समझाने की कोशिश की जाएगी।छात्रों के नामों के आधार पर भी जनों को लगाना सिखाया जाएगा।मेधावी छात्रों की मदद से दूसरे छात्रों की मदद की जाएगी।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -इस विषय को समझाने के लिए अध्यापिका द्वारा सारे छात्रों को भागीदार बनाया जाएगा।छात्रों को वर्गों में बांट कर एक अनुस्वार और अनुनासिक दोनों में आपसी मुकाबला करवाया जाएगा।इस तरीके से अनुस्वार वाले बच्चे अनुनासिक वर्ग में नहीं जा पाएंगे और उन्हें इस टॉपिक को समझने का पूरा पता चल जाएगा।

उप विषय -

1 अनुच्छेद

2 शिक्षण दिनों की संख्या -

3 विषय को समझाने के लिए दिनों की जरूरत - 2

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

'अनुच्छेद 'शब्द का अर्थ क्या होता है?

अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर होता है?

अनुच्छेद लेखन में संकेत बिंदुओं का क्या महत्व होता है?

क्या आपने कभी पहले कोई अनुच्छेद लिखा है?

5 सूचना और संचार तकनीकी साधन -

व्याकरण पुस्तिका ,श्यामपट्ट ,चौक, झाड़न

पद्धति

,'करो और सीखो 'पद्धति द्वारा छात्रों को अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

6 अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

विज्ञान से जुड़े हुए अनुच्छेद लेखन से छात्र विज्ञान के साथ जुड़ेंगे।

राष्ट्रीय एकता ,राष्ट्रध्वज, आदि जैसे विषयों पर अनुच्छेद लिखकर वे नागरिक शास्त्र से जुड़ेंगे।

प्रकृति से जुड़े हुए विषयों पर अनुच्छेद लेखन से छात्र पर्यावरण शिक्षा के साथ जुड़ जाएंगे।

7 प्रतिक्रिया देना तथा उपचारात्मक शिक्षण -

अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए?

क्या अनुच्छेद में मुहावरों तथा लोकोक्तियां का प्रयोग करना सही है?

क्या अनुच्छेद लेखन की कोई शब्द सीमा होती है?

अनुच्छेद अधिक से अधिक कितने शब्दों में लिखा जा सकता है?

8 मूल्यांकन

कुछ विषय देकर छात्रों को अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

कक्षा परीक्षा के दौरान किसी भी विषय पर अनुच्छेद लिखवाया जाएगा।

अभ्यास कार्य

उपर्युक्त सभी विधियों का सहारा लेते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

9 सीखने का प्रतिफल -छात्र अनुच्छेद के साथ ही यह सीखेंगे के अलग-अलग विषयों पर किस प्रकार अनुच्छेद लिखा जाता है और किस अनुच्छेद को लिखने के लिए कविता को लिखना है या किस अनुच्छेद को लिखते समय कौन कौन सी महत्वपूर्ण बातों की जानकारी प्राप्त होना जरूरी है ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -अध्यापिका द्वारा अनुच्छेद समझाते समय यह बताया जाएगा के अनुच्छेद लिखते समय कौन कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए ।किस प्रकार के अनुच्छेद लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ।छात्रों को इसकी समझ नहीं आएगी तो कक्षा को वर्गों में बांट कर यह समझाने की कोशिश की जाएगी कि सामाजिक अनुच्छेद राजनीतिक अनुच्छेद किस प्रकार लिखे जाते हैं ताकि कक्षा में ना समझने वाले छात्रों को भी इसके बारे में समझ आ सके ।

उपसर्ग प्रत्यय

1 महीने में शिक्षण दिनों की संख्या - 20

2 उप -विषय -उपसर्ग प्रत्यय

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की संख्या - 2

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

विशुद्ध शब्द किस शब्द से बना है

शब्द के आगे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते हैं ।

दुकानदार शब्द में कौन कौन से शब्द जुड़े हैं

शब्द के पीछे भी क्या शब्दांश जुड़ते हैं

क्या आप जानते हैं कि प्रत्यय किसे कहते हैं

5 सीखने का प्रतिफल -

छात्र नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे

प्रत्यय का प्रयोग करके नए शब्द बनाना सीख जाएंगे

शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय को पहचान कर अलग करना सीख लेंगे

व्याकरण संबंधी दिलचस्पी बढ़ेगी ।

6 अंत है विषय संबंध और जीवन कौशल का संचार -

उपसर्ग और प्रत्यय समझने के बाद छात्रों में चित्रकला का विकास होगा इतिहास भूगोल विज्ञान मनोविज्ञान गणित आदि विषयों से संबंधित शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

7 सूचना और संचार तकनीकी -

किस विषय को समझाने के लिए अध्यापिका द्वारा व्याकरण की पुस्तक श्याम पर झाड़ू चौक स्मार्ट बोर्ड एक्स्ट्रा मार्क्स अखबार आदि का प्रयोग किया जाएगा ।

8 मूल्यांकन

कार्य पत्रिका अभ्यास पत्रिका मौखिक तथा लिखित प्रश्नों के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा उपर्युक्त माध्यमों से छात्रों को कक्षा परीक्षा में भी मूल्यांकन किया जाएगा ।

9 प्रतिक्रिया देना तथा उपचारात्मक शिक्षण -

छात्रों से कई प्रश्न पूछ कर उनके ऊपर प्रतिक्रिया की जाएगी जैसे प्रकाशमान में मूल शब्द क्या है क्या आप उपसर्ग तथा प्रत्यय का प्रयोग करके कुछ नए शब्दों का निर्माण करना सीख गए हैं २

अगर कुछ छात्र को समझने में मुश्किलआ रही होगी तो उनको दोबारा इन्हीं शब्दों के आधार पर विषय को समझाया जाएगा और जब तक उन्हें समझ ना आए कक्षा मेंसमझानाजारी रहेगा ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -

उपसर्ग और प्रत्यय को समझाते हुए अध्यापिका यह कोशिश करेगी कि इस विषय की समझ सब छात्रों को आ जाए अगर कोई शास्त्र इसको समझने में पीछे रह गया हो तो मेधावी छात्रों की मदद से या अलग से उसको बुलाकर समझाया जाएगा ।

विराम चिन्ह

1 महीने में शिक्षण दिनों की संख्या - 20

2 उप विषय -विराम चिन्ह

3 विषय को खत्म करने के लिए दिनों की जरूरत -4

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

क्या छात्रों को हिंदी व्याकरण की सामान्य जानकारी है

विराम का शाब्दिक अर्थ क्या है

क्या समय पर ठहरना और विराम चिन्ह लगाने को विराम चिन्ह कहते हैं

विराम चिन्ह कितने प्रकार के होते हैं २

5 सीखने का प्रतिफल -

अध्यापिका द्वारा विराम चिन्ह समझाने पर छात्रों को विराम चिन्ह लगाने की कला आएगी ।छात्र सीख जाएंगे कि वाक्य में कहां पर रुकने पर प्रश्नवाचक। अल्पविराम अल्पविराम विस्मयादिबोधक आदि चिन्हों का प्रयोग किया जाता है ।

6 अत विषय संबंध और जीवन कौशल का संचार -

छात्र विराम चिन्ह को लगाते लगाते पूरी तरह से व्याकरण संबंधी नियमों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे इस प्रकार उनके अंदर हिंदी व्याकरण को अच्छी तरह से पढ़ने समझने की कला आएगी ।विराम चिन्ह की कला सीखने के बाद छात्र बाकी विषयों के साथ भी जुड़ेंगे क्योंकि वहां भी व्याकरण में इन चिन्हों का प्रयोग किया जाता है ।

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन -

विराम चिन्ह को पढ़ाने के लिए व्याकरण पुस्तिका की जरूरत पड़ेगी ।श्यामपट्ट स्मार्टफोन तथा यूट्यूब लिंग के आधार पर छात्र इस चिन्ह को समझने में सफल हो पाएंगे ।कक्षा में एक वर्ग मुकाबला करा कर भी चिन्हों को समझाया जाएगा ।

8 मूल्यांकन

छात्रों का मूल्यांकन कई विधियों से किया जाएगा जैसे -

विराम चिन्ह के मुख्य भेद बताओ ।

विराम से क्या अभिप्राय है ।

जब कहीं प्रश्न पूछा जाए तो कौन सा विराम चिन्ह लगता है

9 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -छात्रों को पढ़ाने के बाद उनसे कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे ताकि अध्यापिका को पता चल सके उन्होंने इतना समझा है ।अगर किसी छात्र को विराम चिन्हों में कोई मुश्किल आ रही होगी तो इसे अध्यापिका द्वारा दूर किया जाएगा ।कक्षा में कुछ वाक्य बोलकर छात्रों से विराम चिन्ह लगाने को कहा जाएगा ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी-छात्रों को समझाते समय अध्यापिका यह ध्यान में रखेगी कि उसके द्वारा समझाएं गए विराम चिन्ह सभी छात्रों को समझ में आ जाए ।हर विद्यार्थी किस में भागीदारी होगी कि वह अध्यापिका द्वारा बोले गए वाक्यों में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग करके अध्यापिका को उत्तर दें ।

मई

पाठ - 1

I महीने में शिक्षण दिनों की संख्या -

2 विषय -एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

3 जिससे को पूरा करने के लिए दिनों की आवश्यकता - 6

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

इस पाठ से जुड़ने के लिए अध्यापिका द्वारा छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे ।

- **क्या आपको हिमालय पर्वत एवं पर्वतारोहण के बारे में ज्ञान है ।**
- साहसिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों के नाम तथा कार्यों से कुछ अंशों से अवगत हैं ।
- बर्फ के पहाड़ किस किसने देखे हैं ?
- पहाड़ों पर क्या क्या देखने को मिलता है ?

5 सीखने का प्रतिफल -

- कक्षा में विद्यार्थी इस पाठ को समझने में समर्थ होंगे ।
- नारी शक्ति से परिचय होगा ।
- साहसिक कार्यों के प्रति चेतना का विकास होगा
- शुद्ध उच्चारण के साथ पठन क्षमता का विकास होगा
- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखने की कला का विकास
- शब्दों के अर्थ समझ कर अपने शब्द भंडार को बढ़ाएंगे ।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -

छात्रों को संसार की सबसे ऊंची पांच चोटियों के नाम लिखने को कहा जाएगा ऐसा करने से उनको सामाजिक शिक्षा के साथ जोड़ा जाएगा ।

7 अंत : विषय और जीवन कौशल का संचार -

कक्षा में छात्रों कोपाठ पढ़ाकर पाठ का सार बताया जाएगा और उन्हें पाठक आप उन्हें स्मरण करवाने के लिए संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएंगे और गतिविधि के माध्यम से कक्षा में पठित अंश पर चर्चा की जाएगी गतिविधि के आधार पर वह सामाजिक शिक्षा के साथ जुड़ेंगे ।

8 सूचना और संचार तकनीकी साधन -

छात्रों को पीपीटी स्मार्टफोन यूट्यूब लिंक के आधार पर यह पाठ समझाने की कोशिश की जाएगी ।कक्षा में छात्रों को पर्वतों के फ्लैश कार्ड बनाकर भी इस पाठ को अच्छी तरीके से समझाया जाएगा ।

9 मूल्यांकन -

बच्चों से इस पाठ के आधार पर एक कार्य पत्रिका करवाई जाएगी ।

विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर गृह कार्य पुस्तिका में करेंगे ।

कक्षा में कुछ प्रश्न पूछ कर बच्चों का मूल्यांकन किया जाएगा ।

हिमपात किस तरह का होता है और उससे क्या क्या परिवर्तन होते हैं ।

10 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -

पाठ का पुन : स्मरण करवाने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे ।

- चढ़ाई के समय एवरेस्ट की स्थिति कैसी थी ?
- उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत करवाया ?
- लेखिका की सफलता पर कर्नल खुल्लर ने क्या कहा ?

11 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -

सामाजिक प्रवेश की भिन्नता व बौद्धिक क्षमता के अनुसार अलग-अलग समूह के छात्र कई प्रकार के कार्य करेंगे ।

पाठ्य पुस्तिका से प्रशन करेंगे ।सभी विद्यार्थी मिलकर एक दूसरे का साथ लेकर पाठ्य पुस्तिका के प्रश्नों को हल करने की कोशिश करेंगे।

पाठ -गिल्लू

1 मई महीने में शिक्षण दिनों की संख्या - 2 5

2 उप विषय -गिल्लू

3 विषय को समाप्त करने के लिए दिनों की जरूरत - 5

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -क्या आपने कभी किसी जानवर या पक्षी को घर में पाला है ।

घर में पालतू पक्षियों या जानवरों का कैसे ध्यान रखते हो ।क्या आप गिलहरी से परिचित हैं ।

5 सीखने का प्रतिफल -पशु पक्षियों के प्रति सरंक्षण की भावना

पठन कौशल व लेखन कौशल का विकास

जीव जंतुओं के चरित्र को समझने में समर्थ होंगे

भाषा ही कुशलता जैसे पठन लेखन चिंतन आदि का विकास होगा

मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास ।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -छात्र अध्यापिका द्वारा गिल्लू पाठ को बड़े ध्यान से सुनेंगे और पढ़ेंगे भी ऐसा करने से उनके अंदर जानवरों के प्रति प्यार और भावना जागेगी ।इस प्रकार वह पशु पक्षियों का संरक्षण करने में भी सतर्क हो पाएंगे ।इस पाठ को पढ़ने के बाद बच्चे वातावरण संबंधित कला सीखेंगे ।गिल्लू पाठ के बाद छात्र भौतिक विज्ञान के साथ जुड़ेंगे ।

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन -पाठ को पढ़ाने के लिए अध्यापिका द्वारा चौक जाडन पाठ्यपुस्तक पोस्टर पीपीटी वीडियो क्लिप आदि का प्रयोग किया जाएगा ।

8 मूल्यांकन -निम्नलिखित विधियों से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा .कक्षा परीक्षा ,पशु पक्षियों के संभाल के ऊपर अनुच्छेद लिखवा करइस पाठ में से कुछ प्रश्न पूछ कर छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा ।

9 पुनरावृति -पाठ को समझाने के बाद अध्यापिका द्वारा यह जानकारी ली जाएगी कि उनको यह पाठ समझ आया है या नहीं ।कक्षा में कुछ गतिविधियां करवा कर छात्रों से जानकारी प्राप्त कर ली जाएगी ।अगर छात्रों के घर में कोई पालतू पशु या पक्षी है तो वह उसके ऊपर कक्षा में चर्चा करेंगे ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -इस बात को समझाते हुए अध्यापिका द्वारा यह बात का ध्यान रखा जाएगा कि इस पाठ के बारे में सभी छात्र अच्छी तरह से इसको समझ सके और छात्रों को कहा जाएगा कि अपने प्रिय किसी एक पशु पक्षी का चित्र बनाकर चिपका कर उसकी शारीरिक एवं सद्भाव की विशेषताओं का वर्णन करें ।ऐसा करने से उनके अंदर मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास होगा

1 रहीम के दोहे

2 मई महीने में शिक्षण दिनों की संख्या - 25

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की जरूरत - 4

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -पूर्व ज्ञान हेतु शिक्षक छात्रों से प्रश्न करेंगे ।छात्रों को कविता रचना के बारे में ज्ञान है ।

सामाजिक व्यवहार और साधु संतों के जीवन से परिचित हैं ?

मानवीय स्वभाव एवं ईश्वर भक्ति की तुलना की जानकारी है ?

क्या आपने प्राचीन साहित्य के पद पड़े हैं ?

5 सीखने का प्रतिफल -

छात्रों में चिंतन मनन तथा सृजनात्मकता का विकास होगा

छात्र कृष्ण के अवतारों से परिचित होंगे पौराणिक कथाओं के प्रति रुचि उत्पन्न होगी

काव्य सौंदर्य के भाव कला पक्ष से अवगत होंगे

छात्रों को मिश्रित भाषा का ज्ञान होगा नए शब्दों के अर्थ समझकर वे अपने शब्द भंडार में वृद्धि कर पाएंगे ।

कविता के भाव को अपने दैनिक जीवन से जोड़ पाएंगे ।

6 अंत : विषय संबंध औरजीवन कौशल का संचार -छात्र इस कविता के माध्यम से अपने आप को भक्त और भगवान की भक्ति के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे उनके अंदर धार्मिक भावना जागेगी ऐसा करने से वह धर्म ज्ञान के साथ जुड़ेंगे ।रहीम के दोहे पढ़ने के बाद छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा ।

7 सूचना संचार और तकनीकी साधन -इस कविता को पढ़ाने के लिए अध्यापिका को एनसीईआरटी पुस्तक की जरूरत पड़ेगी ।पतझड़ स्मार्ट बोर्ड तथा यूट्यूब लिंक के माध्यम से छात्र इस कविता को बहुत अच्छे तरीके से समझ पाएंगे ।

8 मूल्यांकन -कुछ प्रश्नों के द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा ’

कीचड़ भरे जल को पी कर कौन तृप्त हो जाते हैं ?

रहीम दोहा छंद की तुलना किससे की ?

कक्षा परीक्षा मौखिक परीक्षा तथा गृह कार्य से भी छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा 1

9 प्रतिक्रिया देना तथा उपचारात्मक शिक्षण -इस कविता को पढ़ाते समय छात्रों द्वारा कुछ कठिन शब्दों के अर्थ पूछे जाएंगे जिन अर्थों को बताते हुए अध्यापिका इस कविता को स्पष्ट करेगी अगर इस कविता में कोई मुश्किल आती है तो उसका उपचार भी किया जाएगा Iअध्यापिका कक्षा में स्मार्ट बोर्ड की सहायता से इस कविता को और की सरल तरीके से समझाने की कोशिश करेगी I

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -गतिविधियों के आधार पर अध्यापिका इस कक्षा में पाठ को समझाइए Iकविता को समझाते हुए छात्रों से बीच-बीच में कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें कक्षा का हर छात्र भागीदार बनेगा ' Iछात्रों द्वारा की गई गतिविधियों के आधार पर छात्र इस कविता को बड़े अच्छे तरीके से समझ पाएंगे I

संधि

1 मई के महीने के शिक्षक दिवस - 25

2 उप विषय -संधि

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनोंकी जरूरत - 3

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -विषय को समझाने से पहले छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे I

संधि का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

संधि कितने प्रकार की होती है ?

वृद्धि शब्द का क्या अर्थ है ?

दीर्घ शब्द किसे कहते हैं ?

5 सीखने का प्रतिफल -इस विषय को समझने के बाद छात्र संधि को अच्छी तरह से समझ पाएंगे उन्हें ज्ञान हो जाएगा कि संधि कितने प्रकार की होती है संधि को कैसे किया जाता है और संधि विच्छेद किसे कहते हैं ?

हिम + आलय =हिमालया यह दीर्घ संधि के उदाहरण है Iइसी प्रकार महा + उत्सव =महोत्सव यह वृद्धि संधि की उदाहरण है I

6 अंतः विषय संबंध और जीवन कौशल का संचार -छात्र संधि के साथ-साथ यह भी समझेंगे कि जब दो वर्गों में कभी कोई लड़ाई हो जाती है तो उनकी आपस में सुलह कराने को भी संधि कहा जाता है Iसंधि समझाते समझाते छात्रों को राजाओं की लड़ाई के समय होने वाली संधि के बारे में भी बताया जाएगा जिससे वे सामाजिक शिक्षा के साथ जुड़ेंगे I

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन -व्याकरण पुस्तिका स्मार्ट बोर्ड श्यामपट्ट जाडन चौक तथा इसी के साथ साथ यूट्यूब लिंक के द्वारा भी छात्रों को संधि समझाने का प्रयास किया जाएगा Iफ़्लैश कार्ड बनवा कर भी छात्र इस संधि को अच्छी तरह से समझ पाएंगे I

8 मूल्यांकन -निबंध विधियों से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा I

कक्षा परीक्षा

कार्य पत्रिका

व्याकरण के अभ्यास में आए हुए प्रश्न

कक्षा में मौखिक परीक्षा के द्वारा भी इनका मूल्यांकन हो सकता है ।

9 . प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -छात्रों को कक्षा में संदीप समझाते समझाते अगर कोई मुश्किल आती है तो अध्यापिका द्वारा सरल से सरल तरीके द्वारा इसे समझाने की कोशिश की जाएगी ।कक्षा में कुछ शब्द देकर संदीप करना और संधि विच्छेद करना भी सिखाया जाएगा ।छात्रों को फिर भी संधि समझने में कोई मुश्किल आती है तो अध्यापिका किसी और तरीके से उसे समझाने की कोशिश करेगी ताकि छात्र इसको अच्छे तरीके से समझ पाए ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -अध्यापिका बड़े ही सरल तरीके से छात्रों को संधि समझाने की कोशिश करेगी इसको समझाते समय अध्यापिका यह ध्यान रखेगी कि इस विषय में सभी छात्र भागीदार बने और अपने प्रसन्न रखने की कोशिश करेंकक्षा में पूछे गए प्रश्नों का हल कर दिया जाएगा ।छात्रों को धीर या नया दी संधि की दो दो उदाहरण देकर व्याख्या करने को कहा जाएगा ।

1 प्रकरण – पत्र लेखन

2 शिक्षण दिनों की संख्या - 25

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की जरूरत - 2

3 सीखने का प्रतिफल- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

4 पूर्व ज्ञान परीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र लिखा है ?

5 सूचना और संचार तकनीकी साधन ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

-6 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण - छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा जाने के बारे में बताया जाएगा :-

8 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

9 अंतः विषय संबंध और जीवन कौशल का संचार - के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक –शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

10 सीखने के प्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे –सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यता विस्तार कार्य :-छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

11 सहायक शिक्षण सामग्री:- विभिन्न प्रकार के पत्र , लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड अदि कक्षा में दिखाए जाएँगे

12 मूल्यांकन :- हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा –जैसे

--बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें ए.टी.एम्.के अभी तक जारी ना होने की शिकायत हो

--अपनी माता जी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए

-इकाई परीक्षा

--परियोजना कार्य

-गृह कार्य

जुलाई

पाठ -1

1 -महीने में शिक्षण दिनों की संख्या -18

2 विषय -तुम कब जाओगे अतिथि

3 विषय को पूरा करने के दिनों की संख्या - 5

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

क्या आपकोशहरी लोगों के व्यवहार तथा उनकी समस्याओं का ज्ञान है ।

क्या आप सामाजिक जीवन की अच्छाइयों और बुराइयों से परिचित हैं ?

क्या आप मानवीय स्वभाव की जानकारी से परिचित हैं ?

5 सीखने का प्रतिफल -

अतिथि देवो भवाह उक्ति की व्याख्या करें तथा आधुनिक युग के संदर्भ में उसका आकलन करें विद्यार्थी अपने घर आए अतिथि के सत्कार का अनुभव कक्षा में सुनाएं ।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण –

इस पाठ में उन अतिथियों को आड़े हाथों लिया है जो अतिथि की गरिमा को त्याग कर अतिथया के लिए मुसीबत बन जाते हैं ।अपने घर आए अतिथि का सत्कार तुमने कैसे किया अपने अनुभव को लिखिए ऐसा करने से उनके अंदर लेखन कला का विकास होगा ।

7 अंतः विषय संबंध और जीवन कौशल का संचार -इस पाठ के माध्यम से अध्यापक छात्रों से प्रश्न पूछते पूछते उनको सामान्य ज्ञान के साथ जुड़ेगा ।अतिथि के घर आने पर जब लेखक आर्थिक तंगी में फंस जाता है ऐसा करने से उनको अर्थशास्त्र के साथ जुड़ेगा ।

8 सूचना तथा संचार तकनीकी साधन -

इस पाठ को समझाने के लिए अध्यापिका एनसीआरटी स्पर्श बुक की सहायता लेगा ।छात्रों को इस पाठ के नाम के आधार पर एक फिल्म दिखा कर भी छात्रों को इस पाठ को अच्छी तरह से समझाया जाएगा ।यूट्यूब लिंक की सहायता से छात्र इस पाठ के प्रश्नों को हल करने में समक्ष हो पाएंगे ’।

9 मूल्यांकन -निमन विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा ’।

अतिथि कितने दिनों से लेकर के घर पर रह रहा है ?

दोपहर के भोजन की कौनसी गरिमा प्रदान की गई ?

लेखक अतिथि को कैसे विदाई देना चाहता था ?

इकाई परीक्षाएं गृह कार्य और परियोजना कार्य से भी छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा ’

10 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -इस पाठ के माध्यम से शिक्षक छात्रों के अंदर व्याकरण संबंधित त्रुटियों को दूर करने की कोशिश करेगा ।इस पाठ में आए हुए कुछ ऐसे शब्द जिनके अर्थ मुश्किल होंगे उनको सरल तरीके से समझाने की कोशिश करेगा ताकि वह इस पाठ को अच्छी तरह से समझ सके ।

11 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -इस पाठ को पढ़ाते समय अध्यापक छात्रों से पाठ पढ़ने को कहा कहेगा कुछ छात्रों को इस पाठ को नाट्यकला में पेश करने के लिए कहेगा ।जो छात्र कक्षा में अच्छी तरह से पाठ को पढ़ सकते हैं और समझ सकते हैं उनको प्रश्नों का हल करने के लिए कहा जाएगा ।

पाठ समृति -

1 मई के महीने में शिक्षण दिन - **18**

2 उप विषय समृति

3 विषय को पूरा करने के लिए आवश्यक - 4

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -क्या आपका कोई भाई है ?

आप अपने भाई से डरते हो या उनका सम्मान करते हो ?

आपके भाई आपको क्या-क्या नसीहत देते हैं ?

क्या आपका भाई पढ़ने में होशियार है ?

आपका भाई आप से आयु में छोटा है या बड़ा ?

इन प्रश्नों के आधार पर छात्रों को पाठ के साथ जोड़ा जाएगा।

5 सीखने का प्रतिफल -

छात्रों को कहानियों से अवगत कराना

छात्र-छात्राओं में शब्दों के विशुद्ध उच्चारण पर जोर देना

छात्र-छात्राओं में लेखन कौशल विकसित करना

शिक्षक प्रथम भाग का आदर्श वाचन आरोह अवरोध के साथ करेगा

छात्र छात्राएं शिक्षक के साथ-साथ गद्यांश के शब्दों का सस्वर वाचन करते हुए अनुसरण करेंगे।

6 अंतः विशेष संबंध और जीवन कौशल का संचार -इस कहानी के माध्यम से छात्रों को यह बताया जाएगा कि भाई भाई का आपस में कितना प्यार है और बड़ा भाई अपने छोटे भाई के लिए क्या-क्या कुर्बानियां देता है उसे पढ़ने के लिए कहता है और उसके भविष्य की चिंता करता है।बड़ा भाई छोटे भाई को समझाएगा के कक्षा में अव्वल आना ही बड़ी बात नहीं है तजुर्बा भी मायने रखता है इन्हीं बातों के आधार पर छात्रों को सामाजिक ज्ञान के साथ जोड़ा जाएगा।

7 सूचना संचार तकनीकी साधन

पाठ्यपुस्तक स्मार्ट क्लास यूट्यूब लिंकऔर सांपों की प्रजातियों के बारे में बताना।छात्रों से जहरीले और विश्व हीन सांपो की तस्वीरें बनवा कर कक्षा में बताना के सांप कितने प्रकार के होते हैं।

8 मूल्यांकन छात्रों का निबंध विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

कक्षा परीक्षा

इकाई परीक्षा

अभ्यास में आए हुए प्रश्न उत्तर

मौखिक प्रश्नों के उत्तर पूछ कर मूल्यांकन किया जाएगा।

9 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -इस पाठ को पढ़ाते समय अध्यापक छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ बताएगी और पूरा पाठ पढ़ाने के बाद उनसे कुछ प्रश्न पूछेगी उत्तर ना मिलने पर वह छात्रों को सरल तरीके से इसको समझाने की कोशिश करेगी।ऐसा करने से सारे छात्र इस पाठ को अच्छी तरह से समझ पाएंगे जिन छात्रों को इसकी समझ नहीं आएगी इससे संबंधित वह कोई और कथा पढ़कर या यूट्यूब लिंक के द्वारा फिल्म देखकर इस कहानी को समझने की कोशिश करेंगे।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -अध्यापिका द्वारा लिया पूरी कोशिश रहेगी कि पाठ को पढ़ते समय हर छात्र इसमें भागीदार बनें और पाठ को समझने की कोशिश करें अगर कुछ छात्र इसको समझने में नाकामयाब होते हैं तो उनके साथ कुछ मेधावी छात्रों को बिठाकर इस पाठ को अच्छे तरीके से समझाया।

गीत अगीत

1 जुलाई महीने में शिक्षण के दिन - 18

2 उप विषय - गीत - अगीत

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की आवश्यकता - 4

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -गीत गीत कविता को पढ़ाने से पहले छात्रों से कुछ प्रश्न किए जाएंगे।

क्या आप प्रकृति के विभिन्न उपादान ओं की महत्ता से अवगत हैं ?

साहित्यिक लेख की थोड़ी बहुत जानकारी है।

सामाजिक व्यवहार से क्या आप वाकिफ हैं।

मानवीय स्वभाव एवं जीव जंतुओं के व्यवहार की जानकारी है ?

5 सीखने का प्रतिफल -स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास करेंगे प्रकृति से संबंधित कविताओं की तुलना अन्य कविताओं से करना सीखेंगे कविता में वर्णित भावों को हृदयम गम करना सीखेंगे कविता के भाव को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार के संदर्भ में जोड़ कर देखना सीखेंगे।छात्रों के अंदर मानव एवं जीव जंतुओं के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति की भावना जागृत होगी।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -इस कविता को पढ़ने के बाद छात्रों के अंदर अपनी तरफ से कुछ कविताएं लिखने की भावना जागृत होगी जिससे उनके अंदर लेखन कला का विकास होगा।श्री रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित इस कविता को पढ़ने से उनके अंदर छायावादी कवियों की कविताएं पढ़ने की भावना जागृत होगी।इस कविता में आए नदी फूल कांटे की तस्वीरें लगाकर छात्र चित्रकला के साथ जुड़ेंगे तथा प्रकृति से निकटता स्थापित करेंगे।

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन -चौक डस्टर पावर पॉइंट के द्वारा पाठ की प्रस्तुति स्मार्ट बोर्ड तथा इस प्रकार की और अन्य कविताएं।

8 मूल्यांकन इस पाठ को समझाने के बाद अध्यापिका छात्रों से कुछ प्रश्न पूछेगी जिससे उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

बच्चों क्या आपने प्रकृति से संबंधित कविता पड़ी है ?क्या आपने रामधारी सिंह दिनकर की कोई और रचना पढ़ी है ?प्रकृति के उपादान किस तरह अपनी बात प्रकट करते ?

इकाई परीक्षा कक्षा परीक्षा तथा कक्षा में कुछ मौखिक प्रश्न पूछ कर भी उनका मूल्यांकन किया जा सकता है।

9 प्रतिक्रिया देना तथा उपचारात्मक शिक्षण -

कविता को पढ़ाते समय छात्रों के कई प्रश्न होते हैं अध्यापिका बड़े ही सरल तरीके से उनके इन प्रश्नों का जवाब जवाब देगी |उनकी हर मुश्किल को हल करते हुए इस कविता को बड़े ही सरल तरीके से समझा कर उनको प्रश्नों के उत्तर हल करने के लिए कहेगी ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -कविता को समझाते समय अध्यापक विद्यार्थियों को 66 के समूहों में विभाजित करेगा प्रत्येक वर्ग को कविता के निर्माण के लिए अलग-अलग शीर्षक दिए जाएंगे प्रत्येक वर्ग को कविता लेखन के माध्यम से प्रेम की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा ऐसा करते-करते विद्यार्थी अपनी कविता की रचना करेंगे और सभी वर्ग अपनी कविता कक्षा में प्रस्तुत करेंगी जिससे उनकी पूर्ण भागीदारी कक्षा में स्थापित हो जाएगी ।

पाठ वाक्य विचार

1 उप विषय

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

शिक्षण उद्देश्य

पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओं पर विशेष रूप से बल देना ।

वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उन में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इस विषय में समझाना ।

वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय से परिचित करवाना ।

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी देना ।

शुद्ध वाक्य रचना सिखा कर छात्रों को लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ।

रचनात्मकता जाग्रत करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

क्या आप जानते हैं कि वाक्य कैसे बनता है ?

क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जा सकता है ?

क्या वाक्यों में पद क्रम का होना जरूरी होता है ?

क्या वही पद समूह, जिसका कोई अर्थ वाक्य कहलाता है?

सहायक सामग्री

सीडी ,प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट, डस्टर ,चौक कंप्यूटर आदि।

पद्धति

वाचन कथा श्रवण पद्धति

शिक्षण कार्य

जुड़िए और समझिए संदर्भ द्वारा उद्देश्य -विधेय की जानकारी दी जाएगी तथा सार्थक -निरर्थक शब्दों की पहचान कराई जाएगी वाक्य की परिभाषा बताते हुए उसके गुण भीड़ तथा उपभेद पर चर्चा की जाएगी ।बीच-बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की पुष्टि की जाएगी पाठ संबंधी सी. डी. का प्रसारण किया जाएगा।अर्थ के आधार पर तथा रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी दी जाएगी।छात्रों को सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में रूपांतरण करना तथा संयुक्त से सरल वाक्य बनाना भी सिखाया जाएगा।अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ वेदों के बारे में भी बताया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

Sentences के बारे में बताते हुए उप विषय को अंग्रेजी विषय के साथ भी जोड़ा जाएगावातावरण तथा विज्ञान से जुड़े हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाएगा।
जैसे वातावरण में बहुत से तत्व शामिल होते हैं।
रक्त प्रवाह बढ़ने से बाजार की मृत्यु हो गई।

छात्र सहभागिता

अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे ।अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शा एंगेअपनी आशंकाओं का निवारण करते हुए उक्त विषय को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करेंगे। विषय संबंधी की दी गई गतिविधि को करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

अभिनय करना

वाक्य विचार के सभी भेदों को छात्रों में बांट दिया जाएगा और एक अध्यापिका के रूप में अभिनय करते हुए उन्हें कक्षा के अन्य छात्रों को विषय समझाने के लिए कहा जाएगा इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेंगे।

पुनरावृति

रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम बताओ।
क्या हम सरल वाक्य को संयुक्त में बदल सकते हैं?
राधा नहा कर सो गई का संयुक्त वाक्य क्या होगा?
'वह कक्षा में प्रथम आया क्योंकि वह बहुत मेहनती था। 'इस वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा?

शिक्षण के प्रतिफल

छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे तथा सरल से संयुक्त और संयोग से सरल वाक्य बनाना सीख जाएंगे वह अर्थ के आधार पर वाक्य के आठों भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। छात्र सार्थक वाक्य रचना करने में निपुण हो जाएंगे और वाक्यों को उनके भेदों के आधार पर नामांकित कर सकेंगे।

मूल्यांकन

अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा , मौखिक तथा लिखित रूप में छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

संवाद लेखन -

1 जुलाई महीने में शिक्षण दिनों की संख्या - 18

2 उप विषय -संवाद लेखन

3 विषय को पूरा करने के लिए दिनों की संख्या -2

4 पूर्व ज्ञान परीक्षा -

क्या आप अपने माता-पिता और मित्रों से बातचीत करते हैं ?

क्या आप जानते हैं कि एक व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को क्या कहते हैं ?

क्या आप जानते हैं कि किसी के बीच की बातचीत को लिखा कैसे जाता है ?

5 सीखने का प्रतिफल -

छात्र को किसी भी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा ।छात्रों को लेखन तथा रचनात्मक कला का विकास होगा ।

छात्रों में मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा ।

छात्र सही ढंग से संवाद लिखना और बोलना सीख जाएंगे ।

6 ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण -कहानी तथा अकबर और बीरबल के किस्से के द्वारा छात्र इतिहास के विषय के साथ जुड़ेंगे

सामाजिक समस्याओं की चर्चा करते हुए वह सामाजिक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

7 सूचना और संचार तकनीकी साधन -व्याकरण की पुस्तक कुछ पात्र स्मार्ट बोर्ड एक कहानी की किताब

8 मूल्यांकन -छात्र का कई विधियों के द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा ।

अभ्यास पत्रिका में आए हुए संवादों को लिखना ।

इकाई परीक्षा

कक्षा में 2 छात्र के बीच विषय बताकर उनमें संवाद करवाना'

9 प्रतिक्रिया देना और उपचारात्मक शिक्षण -संवाद कितने लोगों में होता है ?

समाज में कौन-कौन से गुण होने चाहिए ?

स्वाद लिखते या बोलते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

अगर इस विषय को समझने में कोई छात्र पीछे रह जाए तो अध्यापिका उसे सरल तरीके से समझा कर उसकी मुश्किल को हल करेगी ।

10 समावेशी व्यवहार और पूर्ण भागीदारी -छात्रों को किसी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने को कहा जाएगा छात्र संवाद को पत्र के रूप में बोलेंगे कोई पा कहानी पढ़कर उसे संवाद के रूप में परिवर्तित कर के लिखने तथा कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा छात्र इसे व्यवहारिक रूप में कक्षा में प्रस्तुत करेंगे विषय में रोचकता लाने के लिए अकबर तथा बीरबल की कहानी भी प्रस्तुत करवाई जाएगी इस प्रकार सभी छात्र इसको लिखने सुनने और पढ़ने के भागीदार बन सकेंगे ।

कक्षा - नवम

पाठ्य पुस्तक - स्पर्श

विषय वस्तु - निबंध

पाठ - कीचड़ का काव्य

लेखक - काका कालेलकर

शिक्षण उद्देश्यः-

पाठ का मुख्य उद्देश्य कीचड़ की जीवनोपयोगिता तथा उसके भौतिक महत्त्व को बताना। कीचड़ के काव्य को विचारात्मक लेख द्वारा प्रस्तुत करना। कीचड़ की विशेषताएँ बताना। कीचड़ का ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत करना। समाज में कीचड़ के प्रति लोगों के दृष्टिकोण का विकास करना। साहित्य के गद्य-विद्या (निबंध) की जानकारी देना तथा नए शब्दों के अर्थ समझाकर शब्द-भंडार में वृद्धि करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

पाठ का पठन करने से पूर्व विद्यार्थियों से उनके पूर्व ज्ञान परीक्षण के लिए कुछ प्रश्न किए जाएँगे तथा पढ़ाए जाने वाले पाठ से उनका संबंध जोड़ा जाएगा।

1. कीचड़ का रंग कौन सा होता है?
2. कीचड़ में पैदा होने वाले कुछ पौधों का नाम बताएँ।
3. हम कीचड़ का उपयोग कहाँ-कहाँ करते हैं?
4. सबसे ज्यादा कीचड़ कहाँ देखने को मिलता है?

शब्द प्रारूपः

पर्यायवाची शब्द, कारक चिह्न पाठ में आए शब्दों के पाठ से भिन्न नए प्रसंग में वाक्य प्रयोग तथा कठिन शब्दों के अर्थः-पूर्व-पूर्व दिशा, आकर्षक-सुंदर, श्वेत-सफेद, पदचिह्न-पैरों के निशान, पाड़े-भैसों के नर बच्चे, तृप्ति-संतुष्टि।

वर्तनीः

महिषकुल, कारवाँ, भास, मल, लुप्त, कर्दम, तिरस्कार, युक्तिशून्य, वासुदेव।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य-श्रव्य साधन, परिचर्चा, वाद-विवाद

कार्य प्रणालीः

छात्रों को वीडियो के रुप में (स्मार्ट क्लास) के माध्यम से पाठ का नाटकीय रुप दिखाया जाएगा। पाठ पढ़ते समय शब्दों तथा वाक्यों के शुद्धउच्चारण एवं उनके अर्थ समझाने पर विशेष विषयों

पर छात्रों से विशेष चर्चा की जाएगी। विभिन्न मूल्यों को प्रकट करते हुए पाठ का विस्तार किया जाएगा। पठन और वाचन कौशल के दौरान कीचड़ के महत्त्व पर तथा उसके असल सौंदर्य पर परिचर्चा होगी। छात्रों से कीचड़ के अन्य उपयोगों के बारे में पूछा जाएगा।

छात्र सहभागिता:

छात्रों द्वारा पठन करते समय शुद्ध उच्चारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कीचड़ के लिए छात्रों के अपने विचार रखने का मौका दिया जाएगा। कीचड़ के दैनिक जीवन में होने वाले और उपयोगों पर चर्चा कराई जाएगी। छात्रों के कीचड़ के प्रति अपने अनुभव लिखने को कहा जाएगा। कीचड़ में पैदा होने वाली फसलों के बारे में पूछा जाएगा।

पुनरावृत्ति:

पुनरावृत्ति के तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न किए जाएँगे तथा प्रश्नों के उत्तर सही न मिलने पर उनके सही उत्तर बताए जाएँगे।

1. कीचड़ के प्रति किसी को साहनुभूति क्यों नहीं होती?
2. कीचड़ कहाँ सुंदर लगता है?
3. पंक और पंकज शब्द में क्या अंतर है?
4. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?
5. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पसंद करते हैं?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

इस पाठ के माध्यम से छात्रों को विचारात्मक लेख करवाया जाएगा जिससे उनका बौधिक विकास होगा। स्वयं निबंध लिखने की योग्यता का विकास होगा।

योग्यता विस्ताार कार्य:

विद्यार्थी सूयोदय और सूर्यास्त के दृश्य देखेंगे तथा अपने अनुभवों को लिखेंगे। कीचड़ में पैदा होने वाली फसलों के नाम लिखेंगे। क्या कीचड़ गंदगी है? इस विषय पर अपनी कक्षा में परिचर्चा आयोजित करेंगे।

संसाधन:

पुस्तक स्मार्ट क्लास, इंटरनेट

सीखने के प्रतिफल:

इस कहानी के माध्यम से कीचड़ की विशेषताओं के बारे में जानेंगे। नए शब्दों का प्रयोग करेंगे। अपने व्यवहारिक ज्ञान का प्रयोग करते हुए कीचड़ के विभिन्न रुपों को सामने लाएँगे। घृणित दिखाई पड़ने वाला कीचड़ अनेक विशेषताओं से युक्त है। कीचड़ में ही सबकी क्षुधापूर्ति करने वाला अन्न उत्पन्न होता है।

मूल्यांकन:

निम्नलिखित विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) पाठ्य पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न:

1. कीचड़ का काव्य नामक निबंध में लोगों की सहानुभूति किसके प्रति नहीं होती?
2. सबसे अधिक कीचड़ कहाँ देखा जा सकता है?
3. कमल शब्द के सुनने से चित्त में क्या फूट पड़ते हैं?

ख) इकाई परीक्षाएँ

ग) ग्रह काय

घ) परियोजना कार्य

विषय वस्तु - निबंध
पाठ - धर्म की आड़
लेखक - गणेशशंकर विद्यार्थी

शिक्षण उद्देश्यः-

पाठ का मुख्य उद्देश्य धर्म के विभिन्न आयामों तथा पक्षाकें को स्पष्ट कराना। भारतीय सामाजिक जीवन की जानकारीदेना। साहित्य के गद्य-विद्या (लेख) की जानकारी देना। छात्रों को नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना। नए शब्दों के अर्थ समझाकर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना तथा हिंदी साहित्यकारों के बारे में जानकारी देना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

पाठ समझाने से पहले विद्यार्थियों से उनके पूर्व ज्ञान परीक्षण के लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनका संबंध नए विषय से जोड़ा जाएगा।

1. बच्चो! क्या आप अपने धर्म से परिचित हैं?
2. क्या आप अलग-अलग धर्मो से परिचित हैं?
3. क्या आपने कभी दो धर्मो को अपनाया है?
4. मनुष्य का स्वभाव कैसा-कैसा होता है?
5. आप समाज में किस प्रकार के बदलाव देखते हैं?

उद्देश्य कथनः

आज हम प्रसिद्ध लेखक गणेशशंकर विद्यार्थी के द्वारा रचित पाठ (धर्म की आड़) का अध्ययन करेंगे।

शब्द प्रारूपः

पाठ में आए व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना। उपसर्ग, प्रत्यय, विपरीतार्थक तथा वाक्य प्रयोग।

कठिन शब्दों के अर्थ

उत्पात - उपद्रव	वाजिब - उचित
ईमान - नीयत	बेज़ा - अनुचित
ज़ाहिब - मूर्ख/गँवार	अट्टालिकाएँ- ऊँचे मकान
धूर्त - छली	चूसे जाते - अनुचित रूप से शोषित किए जाते

वर्तनीः

यथार्थ, अवस्था, हीन, भीषण उदार, खिलाफत, उपासना, स्परूप, मजहबी, सर्वत्र, आचारण, ला–मज़हब

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:
दृश्य–श्रव्य साधन, स्मार्ट बोर्ड, चाक, झाड़न, श्यामपट्ट, विभिन्न धर्मो का ज्ञान, साहित्यिक, भाषा की थोड़ी–बहुत जानकारी।

कार्य प्रणाली:
गणेशशंकर के विद्यार्थी जीवन के बारे में बताते हुए पाठ का पठन एवं वाचन किया जाएगा। प्रस्तुत पाठ 'धर्म की आड़' में उन लोंगो के इरादों और कुटिल चालों को बेनकाब किया है तो धर्म की आड़ लेकर जनसामान्य को आपस में लड़ाकर अपना स्वाथ सिद्ध करने वाले हों। विद्यार्थी अपने पाठ में दूर देशों में भी धर्म की आड़ में कैसे-कैसे कुकर्म हुए हैं, कौन–कौन लोग, वर्ग और समाज उनका शिकार हुए हैं इस बारे में जानकारी हासिल करेंगे। पठन और वाचन के दौरान धर्म के नाम पर और कुकर्मो पर चर्चा होगी। छात्रों से भी जानकारी ली जाएगी।

छात्र सहभागिता:
छात्र लेख को ध्यानपूर्वक सुनकर समझने का प्रयास करेंगे। आधुनिकता की भावना को आत्मसात करते हुए जीवन में प्रेरणा प्राप्त करेंगे। लेखक के बारे में दी जानकारी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे। छात्रों द्वारा पाठ के शुद्ध उच्चारण एवं पठन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। धर्म के नाम पर होने वाले आस–पास के उपदर्वो पर चर्चा होगी। धर्म के बारे में छात्रों के अपने अनुभव लिखने को कहा जाएगा।

पुनरावृत्ति:
पुनरावृत्ति के तौर पर छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न किए जाएँगे तथा प्रश्नों के उत्तर सही न मिलने पर उनको सही उत्तर बताए जाएँगे।

1. आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है?
2. कौन–सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाएगा?
3. महात्मा गाँधी के धर्म संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।
4. कौन से लोग धार्मिक लोगों से अच्छे होते हैं?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

इस पाठ के माध्य से छात्रों को नाट्य मंचन का अनुभव होगा छात्रों की सामूहिक भावना का विकास होगा। जिंदगी में हर तरह के लोंगों से तालमेल बनाने तथा कठिनाइयों का अनुभव लेने और उनका सामना करने का साहस उत्पन्न होगा तांकि छल होने पर बहादुरी से गलत बातों का विरोध किया जा सके। आत्म विश्वास की भावना जागृत होगी।

योग्यता विस्तार कार्य:

'धर्म एकता का माध्यम है' - इस विषय पर कक्षा में चरिचर्चा कीजिए। धर्म के प्रति छात्र अपने विचारों की सूची बनाकर कक्षा मं उसकी चर्चा करेंगे।

विषय वस्तु - शुक्रतारे के समान (जीवनी)
पाठ - शुक्रतारे के समान
लेखक - स्वामी आनंद

शिक्षण उद्देश्यः-

पाठ का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मनुष्य-मात्र स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना। महादेव जी के जीवन का संक्षिप्त परिचय देना। नैतिक मूल्यों की आरे प्रेरित करना। नए शब्दों के अर्थ समझाकर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना तथ स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधी जी और महादेव भाई के योगदान का उल्लेख करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

पाठ का पठन करने से पहले छात्रों से उनके पूर्व ज्ञान परीक्षण के लिए कुछ प्रश्न पुछे जाएँगे तथा उनको नए पाठ से जोड़ा जाएगा।

1. बच्चो! क्या आप भारतीय स्वतंत्रता की आंदोलन की किसी घटना को जानते हैं?
2. क्या आप गाँधी जी और महादेव भाई के बारे मे कुछ जानते हैं?
3. मनुष्य की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।
4. आप समाज में किस प्रकार के बदलाव देखते हैं?
5. शुक्रतारे के बारे में क्या कोई जानकारी रखता है?

शब्द प्रारूपः

पर्यायवाची शब्द, उपसर्ग-प्रत्यय, मुहावरे तथा पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ लिखवाए जाएँगे।

कठिन शब्दों के अर्थ -

वारिस - उत्तराधिकारी	जिगरी - हार्दिक
कहर - अत्याचार, जुल्म	मुकाम - मंजिल
रूबरू - आमने-सामने	फर्क - अंतर
तलीम - शिक्षा	गिरफ्तार - कैद, बंधक

वर्तनीः

शुक्र, नक्षत्र, तेजस्वी, उषाकार, हम्माल, कालापानी, रूबरू, सत्याग्रह, धुरंधर, कट्टर, फुलस्केप, ग्रंथाकार।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:
श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से प्रस्तुति।

कार्य प्रणाली:
पाठ का पठन करते हुए छात्रों को समझाया जाएगा कि कोई भी माहन व्यक्ति, महानतम काग्र तब कर सकता है, जब उसके साथ ऐसे सहयोगी हों जो उसकी तमाम चिंताएँ और उलझनों को अपने सिर ले-ले। गाँधी जी के लिए महादेव भाई और प्यारेलाल जी ऐसी ही शख्सियत थ। गुजराती भाषा में लिखे गए प्रस्तुत पाठ शुक्रतारे के समान मे लेखक ने गाँधी जी के निजी सचिव महादेव भाई की बेजोड़ प्रतिभा और व्यस्ततम दिनचर्य को उकेरा है। निष्ठा, समर्पण और निरभिमान को लेखक ने बड़ी ईमानदारी से शब्दों में पिरोया है।

छात्र सहभागिता:
निबंध को ध्यानपूर्वक सुनना और समझने का प्रयास करना। आधुनिकता की भवना को आत्मसात करना। लेखक के बारे में दी जानकारी को अभ्यास पुस्तिका में लिखना। लेख से संबंधित अपनी जिज्ञासा का निवारण करना। निबंध को हृदयगंमय करने की क्षमता को विकसित करने के लिए लेख ध्यान से सुनना। शब्दार्थ अभ्यास पुस्तिका में लिखना।

पुनरावृत्ति:
पुनरावृति के लिए पढ़ाए हुए पाठ में से कुछ प्रश्न पुछे जाएँगे।

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?
2. अहमदाबाद से कौन से दो साप्ताहिक निकलते थे?
3. महादेव भाई की अकाल मृत्यु का क्या कारण था?
4. महादेव की लिखावट की क्या विशेषताएँ हैं?
5. महादेव के किन गुणों ने उनको सबका लाडला बना दिया था?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:
स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधी जी का योगदान विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित की जाएगी। सूयमंडल में नौ ग्रह हैं। शुक्र सूर्य से क्रमश दूरी के अनुसार दूसरा ग्रह है और पृथ्वी तीसरा। छात्र अन्य ग्रहों के बारे में परिचर्चा करते हुए क्रम में लिखेंगे।

योग्यता विस्तााार कार्य:
गाँधी जी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' को पुस्तकालय से लेकर पढ़ने को कहा जाएगा। जलियाँवाला बाग में कौन-सी घटना हुई थी। जानकारी एकत्रित कीजिए। सूर्योदय के 2-3 घंटे

पहले पूर्व दिशा में या सूर्यास्त के 2–3 घंटे बाद पश्चिम दिशा में एक खूब चमकता हुआ ग्रह दिखाई देता है वह शुक्र ग्रह हैं छोटी दूरबीन से इसकी बदलती कलाओं के बारे में लिखकर सूची बनवाई जाएगी।

विषय वस्तु – कविता

पाठ – नए इलाके में खुशबू रचते हाथ

शिक्षण उद्देश्य:–

1. पाठ का उद्देश्य कविता का रसास्वाद करना।
2. खुशबू वाले इलाके की विशेषताएँ बताना।
3. स्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास करना।
4. कविता में वर्णित भावों को हृदयगम करना।
5. कविता की विषयवस्तु को पूर्व में पढ़ी हुई कविता से संबंध जोड़ना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा:

यह पूर्वानुमान है कि छात्र कविताओं से पहले ही अवगत हैं इसके अतिरिक्त वे सामाजिक व्यवहार को देखते एवं जानकारी रखते हैं जिसके आधार पर उनसे कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे।

1. बच्चो आपके क्षेत्र में ऐसे कितने मकान हैं जो पुराने हैं?
2. क्या आप भवन निर्माण के बारे में कुछ जानते हैं?
3. मनुष्य की स्वभावगत विशेषताएँ कौन सी हैं?
4. क्या आप नित बदलती दुनिया से परिचित हैं?
5. आप समाज में किस प्रकार के बदलाव देखते हैं?

शब्द प्रारूप:

छात्रों की पठित पदों में होने वाले उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को दूर करना, कविता में आए व्याकरण का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना। कठिन शब्दों के अर्थ करवाना:

इलाका – क्षेत्र	ठकमंकता – डगमगाते हुए
अकसर – प्राय:	स्मृति – याद
ताकता – देखता	वसंत – एक वस्तु
ढहा – गिरा हुआ	पतझड़ – एक ऋतु जिसमें पत्ते झड़ते हैं

वर्तनी:

वैसाख, भादों, आकाश, मुल्क, केवड़ा, रातरानी, जूही, जख्म, घट, स्मृति, वसंत

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:

श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, पावर प्वाइंट के माध्याम से पाठ की प्रस्तुति करना।

कार्य प्रणाली:

प्रस्तुत पाठ में एक ऐसी दुनिया में प्रवेश का आमंत्रण है जो एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है इससे बोध होता हे कि जीवन में कुछ भी स्थाई नहीं होता। पल-पल बदलती दुनिया में स्मृतियों के भरोसे नहीं रहा जा सकता। वह नए बसते इलाकों व मकानों के कारण रोज अपने घर का रास्ता भूल जाता है। पुराने निशाने को याद रखकर आगे बढ़ता है मगर गलत जगह पहुँचता है इसलिए वह कहता है कि यहाँ स्मृतियों का कोई भरासा नहीं। यहाँ दुनिया एक दिन में ही पुरानी पड़ जाती है।

छात्र सहभागिता:

कवि के बारे में दी जानकारी को अभ्यास पुस्तिका में लिखना। उच्चारण एवं पठन-शैली को ध्यान से सुनना। कविता को हृदयंगम करने की क्षमता को विकसित करना। कविता को ध्यान से सुनकर आधुनिकता की भावना को आत्मसात करते हुए वर्तमान जीवन से प्रेरणा प्राप्त करना।

शब्दार्थ अभ्यास पुस्तिका में लिखना। छात्रों के द्वारा पाठ का पठन। कविता को ध्यापनपूर्वक सुनकर संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करना। व्याकरण के अंगों को नियम प्रयोग एवं उदाहरण को अभ्यास पुस्तिका में लिखना। पाठ की प्रमुख सूचनाओं कीसूची तैयार करना।

पुनरावृत्ति:

नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख हुआ है? इस कविता में समय की कमी की ओर क्यों इशारा किया गया है? कवि ने शहरों की किस बिडंबना की और संकेत किया है?

योग्यता विस्तार:

अगरबत्ती बनाना, माचिस बनाना, मोमबत्ती बनाना, लिफाफे बनाना, पापड़ बनाना, मसाले कूटना आदि लघू उद्योगों के विषय में जानकारी एकत्रित कीजिए।

पाठ में आए कुछ हिंदी महीनों के नाम को क्रम में लिखिए।

पाठ – हामिद खाँ
लेखक – एस के पोट्टेकाट

शिक्षण उद्देश्य:-

मनुष्य-मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार की जानकारी देना। लेख की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी हुई घटना से संबंद्ध करना। नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना। साहित्य के गद्य-विद्या (लेख-निबंध) की जानकारी देना। छात्रों को अपने समाज एवं धर्म के बारे में जानकारीदेना। नैतिक मूल्यों की और प्रेरित करना। सच्चे धर्म की और प्रेरित करना। देश एवं समाज की आंतरिक दशा तथा परिस्थिति से अवगत कराना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा:

1. बच्चो क्या आपने कभी पौराणिक खंडहर देखे हैं?
2. क्या आप में से कभी कोई पाकिस्तान गया है?
3. पाकिस्तान देश के बारे में आप क्या सोचते हैं?
4. मुसलमानी खानपान और हिंदुस्तानी खानपान में क्या फर्क है?
5. आप हमारे देश में आने वाले अतिथि का स्वागत कैसे करेंगे?

शब्द प्रारूप:

उपसर्ग, प्रत्यय तथा कठिन शब्दों के अर्थ लिखवाए जाएँगे।

कठिन शब्दों के अर्थ

आगजनी – उपद्रवियों द्वारा आग लगाना	तंग – संकरा
अलमस्त – मस्त	अधेड – ढलती उम्र का
सालन – गोश्त	बेतरतीबी- बिना किसी सलीके/तरीके
फख्र – गर्व	आततायियों – अत्याचार करने वाले
नियति – भाग्य	पश्तो – एक प्राचीन भाषा
तश्तरी – प्लेट	चाव से – शौक से

वर्तनी:

तक्षशिला, पौराणिक, खंडहर, परकिस्तान, चपातियाँ, हुक्का, अधेड़, मुहब्बत, मसालेदार शोरबा, तश्तरी, क्षुधा

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:

श्यामपट्ट चाक झाड़न, पावर प्वाइंट के माध्यम से पाठ की प्रस्तुति करना।

कार्य प्रणाली:

पाठ का पठन करते हुए छात्रों को समझाया जाएगा कि कोई भी देश क्यों न हो उसके लोग हमेशा भाईचारा और अमन पसंद करते हैं। कुछ आततायियों के कारण पूरे देश का नाम खराब कर दिया जाता है। प्रस्तुत पाठ में लेखक ने हिंदू और मुसलमान दोनों के सहृदयता एवं एकता की भावना को दर्शाया है। इसमें लेखक की भावना हामिद खाँ की भवना से एकाकार होती है। और दोंनो में आत्मीय संबंध स्थापित हो जाता है उसी आत्मीय संबंध को लेखक ने इस पाठ द्वारा प्रस्तुत किया है। शब्दों तथा वाक्यों के शुद्ध उच्चारण एवं उनके अर्थ समझाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दो देशों में दो जातियों के हृदयों में धड़कती हुई एकता की भावना से दर्शाया है।

छात्र सहभागिता:

पाठ को ध्यानपूर्वक सुनना अैर समझने का प्रयास करना। आधुनिकता की भावना को आत्मसात करना। लेखक अध्यापक द्वारा दी जानकारीको अभ्यास पुस्तिका में लिखना। लेख से संबंधित अपनी जिज्ञासा का निवारण करना। हिंदू-मुसलमानों के धर्म और एकता के बारे में छात्रों को अपने अनुभव लिखने को कहा जाएगा। छात्रों में एकता की भावना को आत्मसात कराना।

पुनरावृत्ति:

पूनरावृति के लिए छात्रों से पाठ से संबंधित कुछ प्रश्न पुछे जाएँगे तथा अध्यापक द्वारा संतोषजनक उत्तर न पाकर उनका उचित समाधान किया जाएगा।

1. लेखक का हामिद खाँ से किन परिस्थितियों में परिचय हुआ?
2. हामिद खाँ ने लेखक से खाने के पैसे लेने से इनकार क्यों किया?
3. हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?
4. मालबार में हिंदू-मुसलमानों के परस्पर संबंध कैसे थे?
5. तक्षशिला में आगजनी की खबर सुनकर लेखक के मन में कौन सा विचार आया?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

इस पाठ के माध्यम से छात्रों को दो देशों के आपसी संबंधों तथा हिंदू मुसलमानों की एकता के बारे में जानकारीमिलेगी। छात्रों के साथ दूसरे देश के हिंदू-मुसलमानों के संबंधों पर सामूहिक चर्चा की जाएगी। जिंदगी मे हर तरह के लोगों से तालमेल तथा कठिनाईयों का अनुभव लेने उनका सामना करने का साहस उत्पन्न होगा ताकि बहादुरी तथा प्यार के बल पर दुश्मन को भी दोस्त बन लिया जाए।

विषय – एक फूल की चाह (कविता)

शिक्षण उद्देश्यः–

हिंदी शब्दों का सही उच्चारण करना तथा हिंदी के स्वाभाविक अनुतान का प्रयोग करना।

1. हिंदी कविताओं का उचित लय, आरोह-अवरोह तथा भााव के साथ पढ़ना।
2. भाषा की विभिन्न विद्याओं के बारे में छात्रों को परिचित करवाना।
3. छुआछूत की समस्या के बारे में छात्रों को जानकारी देना।
4. तत्कालीन समाज में फैली सामाजिक बुराइयों एवं उनके प्रभाव पर चर्चा करना।

पूर्व ज्ञान परिक्षाः

कविता का परिचय देने के पूर्व छात्रों से कुछ प्रश्न किए जाएँगे जो छात्रों के पूर्व ज्ञान को स्पष्ट करेंगे।

1. प्राचीन काल में कैसी प्रथाएँ चलती थीं?
2. 'अछुत' कौन होता था?
3. वर्तमान में कैसी सामाजिक कुरीतियाँ फैली हुई हैं?
4. रोग ग्रस्त होने पर मन में कैसे-कैसे विचार उत्पन्न हाते हैं?

शब्द प्रारूपः

प्रतीक/बिन ज्ञान,

अंधकार की छाया	र के विभिन्न रूप
कितना बड़ा तिमिर आया	विस्तीर्ण, प्रकट
हुई राख की ढेरी	अविश्रांत, मृतक
हाय! फूल सी कोमल बच्ची	(ताप-तप्त, विह्वल कंठ क्षीण, स्वर्ण धन)

वर्तनीः

उद्वेलित, मृतवत्सा कृश, विह्वल, अविश्रांत, पतित-तॉरिणी, अभियोग

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य-श्रव्य साधन, नाट्य रूपांतरण, परिचचा।, वाद-विवाद, कविता लेखन (रचना)

कार्य प्रणालीः

छात्रों के पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए तत्कालीन समामाजिक कुरीतियों के बारे में चर्चा की जाएगी। विषय वस्तु की जानकारी देते हुए कविताका वाचन किया जाएगा। छात्र उसका अनुसरण करेंगे। उनकी उच्चारण संबंधी त्रुटियों का समाधान किया जाएगा। प्रत्येक काव्यांश में निहित विशेष अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा। प्राचीन काल में जाति-पाति के भेद भावों की जानकारी प्राप्त करके कक्षा में इस पर विचार विमर्श करेंगे।

छात्र सहभागिता:

छात्र कविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या एवं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। स्मार्टबोर्ड के माध्यम से कविता का मूल भाव ज्ञात करेंगे। तत्कालीन समाज में व्याप्त स्पृश्य एवं अस्पृश्य में आज पाए जाने वाले परिवर्तनों पर चर्चा करेंगे। कविता के मूल भाव को समझते हुए अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर ढूँढने का प्रयास करेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?
2. सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रुप में पाया?
3. पर्वत की चोटी पर स्थित मंदिर कैसा था?
4. देवी का अपमान करने के लिए भक्तों ने उसे क्या दंड दिया?
5. पिता को अपनी पुत्री से दूर करके दंड देना कहाँ तक उचित था, यदि हाँ। नही तो क्या?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्रों को कविता अपने शब्दों में कहानी के रुप में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे कहानी लेखन की कला का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त चित्रकला की योग्यता का विस्तार करने हेतु कविता का एक चित्र के रुप में बनवाया जाएगा। छात्र अपनी कल्पना के आधार पर रंगों के रुप में अपनी कविता ज्ञान को रुप देंगे।

योग्यता विचार:

कविता को उचित स्वर, लय द्वारा उच्चारण करने का ढंग सीखेंगे।

जाति-पाति के भेद-भाव के बारे में जानकारी एकत्र करके उस पर अपने विचार लिखेंगे।

बेटियों के विषय पर कविता लिखने अथवा ढूँढने का प्रयास करेंगे।

विषय वस्तु - संस्मरण

पाठ - दिए जल उठे

लेखक - मधुकर उपाध्याय

शिक्षण उद्देश्यः-

पाठ का मुख्य उद्देश्य छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी दांडी यात्रा तथा अन्य देश्वासियों के योगदान से परिचित कराना है। गाँधी जी के महान व्यक्तित्व से परिचित करवाना। नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना। नए शब्दों के अर्थ बताकर छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि कराना। देशवासियों का एकजुट होकर देश के लिए खड़े होने का उल्लेख करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

पाठ का पठन करने के पूर्व छात्रों से उनके पूर्व ज्ञान से संबंधित कुछ प्रश्न पुछे जाएँगे।

1. बच्चो! क्या आप भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की किसी घटना के बारे में जानते हो?
2. दांडी मार्च क्या है?
3. हमें नमक कहाँ से प्राप्त होता है?
4. मही नदी के बारे में आप क्या जानते हैं?
5. वल्लभभाई पटेल कौन थे?
6. क्या आप गाँधी जी की दांडीयात्रा के बारे में कुछ जानकारी रखते हैं?

शब्द प्रारूपः

पाठ में आए व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना। उपसर्ग, विपरीत तथा वाक्य प्रयोग।

कठिन शब्दों के अर्थ

दांडी कूच - दांडी यात्रा	सत्याग्रह - सत्य के लिए आंदोलन
विषेधाज्ञा - मनाही का आदेश	भर्त्सना - निंदा
क्षुब्ध - अशांत	अभिव्यक्ति - कथन
रियासतदार - रियासत का मालिक	प्रयाण-यात्रा
बयार - हवा	हुक्मरानो - शासक
निषादराज - केवट	दलदल- कीचड़ भरी

वर्तनीः

कबूल, सदन, पुश्तैनी, स्थगित, संहार, धर्म यात्रा, निपुण, नजारा, अनुगूँज।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य-श्रव्य साधन, नाट्य रूपांतरण, परिचर्चा, वाद-विवाद

कार्य प्रणाली:

छात्रों को पूर्व ज्ञान के साथ संबंध जोड़ते हुए तत्कालीन सामाजिक कुरीतियों के बारे में तथा आजादी के लिए देशवासियों का संघर्ष के बारे में चर्चा की जाएगी। विषय वस्तु की जानकारी देते हुए पाठ के उद्देश्य की जानकारी दी जाएगी। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ का पठन एवं वाचन किया जाएगा। गाँधी जी द्वारा दांडी कूच के समय की परिस्थितियों की जानकारी दी जाएगी।

छात्र सहभागिता:

छात्र पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से पाठ का का मूल भाव ज्ञात करेंगे। महात्मा गाँधी जी की दांडी यात्रा पर आधारित धुँधले पदचिह्न जिसमें 1930 में घटित घटनाओं का वर्णन किया है, की जानकारी प्राप्त करेंगे। देश में उस समय की स्थिति तथा आज की स्थिति पर चर्चा करेंगे। पाठ का मूल भाव समझते हुए प्रश्नों के उत्तर ढूँढने का प्रयास करेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. किस कारण से प्रेरित हो स्थानीए कलेक्टर ने पटेल को गिरफ्तार करने का आदेश दिया?
2. जज को सजा लिखने के लिए डेढ़ घंटा क्यों लगा?
3. महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था?
4. इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें - गाँधी जी ने यह शब्द किसके संदर्भ में कहे?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

गाँधी जी की आत्मकथा -सत्य के प्रयोग' को पुस्तकालय से लेकर पढ़िए।

1. दांडी कूच यात्रा में क्या-क्या हुआ। जानकारी एकत्रित कीजिए।
2. अहमदाबाद में बापू के आश्रम के विषय में चित्रात्मक जानकारी एकत्र कीजिए।
3. वीराने में जहाँ बत्तियाँ न हों वहाँ अँधेरी रात में जब आकाश में चाँद भी दिखाई न दे रहा हो तब महाँ नदी पर केसे रोशनी हुई और गाँधी जी ने नदी कैसे पार की?

परियोजना अर्थ:

स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधी जीका योगदान विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए।

भारत के मानचित्र पर निम्न स्थानों को दर्शाइए: अहमदाबाद, जलियाँवाला बाग (अमृतसर), कालापानी (अंडमान), दिल्ली, शिमला, बिहार, उत्तर प्रदेश

मूल्यांकन:

1. बल्लभभाई पटेल की गिरफ्तारी पर देश के अन्य नेताओं ने क्या प्रतिक्रिया की?
2. गाँधी जी ने रास की जनसभा में खुली चुनौती देते हुए आम लोगों से क्या कहा?
3. देशहित के लिए सच्चे नेतृत्व क्षमता वाले नेताओं की सदैव उपस्थिति अनिवार्य है। इस पक्ष-विपक्ष पर तर्क कीजिए।